BA-II (H)
मैथिली
पेपर — चतुर्थ पत्र
four Lecture

प्रो० संजीत कुमार राम
मैथिली विभाग
(अतिथि शिक्षक)
R.S.J. College, Ramnagar

मैथिली भाषा शास्त्र

मैथिली ओ उड़ियामे संबंध

उड़िसा पर प्रागैतिहासिक कालहि सँ एकक राजनैतिक ओ सांस्कृतिक आधिपत्य भेल जे उड़ियाक सम्बन्ध अन्य मागधीमूलक भाषासँ विच्छिन्न भए गेल। पश्चात एहि पर पालि ओ प्राकृतक प्रभाव पड़ल अछि, एवं आधुनिक उड़िया मागधी प्राकृतसँ सहज विकसित भेल अछि। आठम (8 म) शता- ब्दी धरि तैलंगनपरपीक आधिपत्यक अन्तर 500 वर्ष धरि मौलिक शासन स्तप धल। तैं अन्य मागधीमूलक भाषा जकाँ एकर विकास नहि भेल। अतः मैथिलीसँ एहि भाषाक पार्थक्य अधिक अछि,

तथापि कतेक अंशमे ई बंगलाक अपेक्षा मैथिलीसँ निकट बुझि पड़ैत अछि, यथा बँगलामे असमान-संयुक्त-व्यंजन नहि भए प्रथम व्यंजन द्वित्व भए जाइत अछि, यथा बँगलामे आत्माक उच्चारण 'आत्ता' होइत अछि, लेकिन मैथिली ओ उड़िया दुहूमे दुनू व्यंजनक उच्चारण संस्कृत जकाँ होइत अछि। बलाघातक दृष्टिएँ सेहो उड़िया ओ मैथिलीमे अद्भुत सादृश्य अछि, जाहिमे पूर्ववर्ती दीर्घ स्वरक उच्चारण होइछ। यदि सबटा स्वर दीर्घ रहैत अछि तँ उपान्त्य पर बल पड़ैत अछि, परन्तु मैथिलीक विपरीत उड़ियामे अति-लघु यानि छोट स्वरक अभाव रहैत अछि।

Sanjit

22.0?.20